Government Degree College Nainbagh
N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand
(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)
Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

ACTIVITY TITLE: FACULTY DEVELOPMENT PROGRAM

Date: 23 August 2024
Organized by: IQAC
Title of Program: Faculty Development Program on CAS, API, ACR, AAA & Report Writing.
Place: Government Degree College Nainbagh Tehri Garhwal.
Nature of Participants: Teachers.
Number of Participants: 07.
Resource Person: 1. Prof. Sumita Srivastava, Principal, Govt. Degree College Nainbagh, T.G. Mob. 8077919619.

Write one paragraph about the activity

On 23 August 2024, Faculty Development Program was organized by IQAC in Government College Nainbagh, whose resource person was the Principal of the college, Professor Sumita Srivastava. While conducting the program, IQAC Coordinator Mr. Parmanand Chauhan told that this Faculty Development Program is based on Career Advancement Scheme (CAS), API, ACR and Academic and Administrative Audit. He said that this type of activity is completed by every teacher every year, but due to lack of complete information, there is also a possibility of mistake. Therefore, it is necessary for every teacher to have complete information in this regard. College Principal Professor Sumita Srivastava gave detailed information on the said subject as a resource person. She said that the Career Advancement Scheme, which is necessarily to be filled by the teacher for the promotion of teachers, has many points for which marks are determined. The resource person told how we can earn maximum marks and get promotion by fulfilling the standards in relation to various points given under the CAS form. ACR which is filled every year by teachers and principals holds a very important place in promotion. The resource person explained in detail what things we should keep in mind while filling ACR so that we can get excellent grades and get easy promotion.

Photos (Geo tagged)
NEWS/Link /Phots

Government Degree College Nainbagh
N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand
(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)
Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

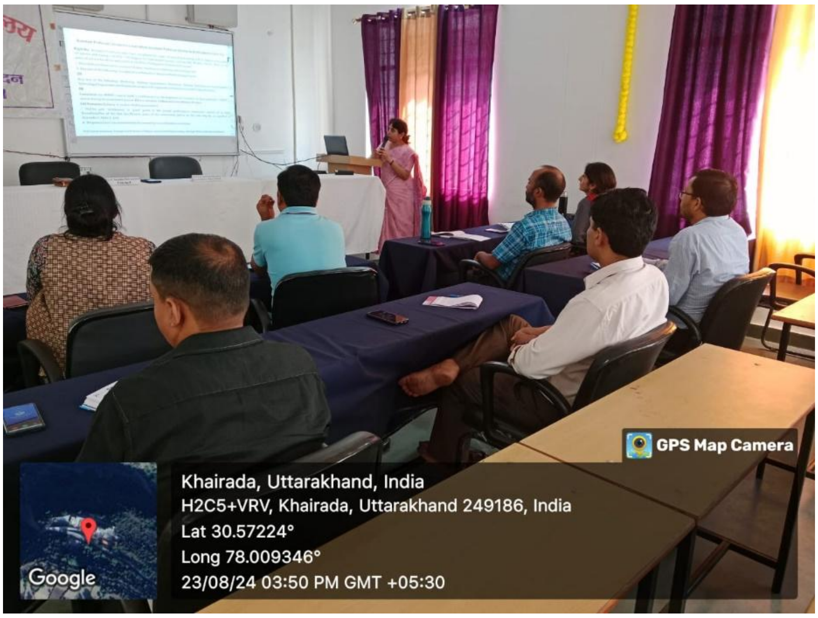

News Link: 1. https://www.garhninad.com/2024/08/faculty-development-program-organized-in-government-college-nainbagh/

2. https://navaltimes.in/राजकीय-महाविद्यालय-नैनब-34/

Government Degree College Nainbagh

N. G. Road Nainbagh (Tehri Garhwal)-249186, Uttarakhand

(Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahithaul, Uttarakhand)

Website: http://gdcnainbagh.in **Email:** principalgdcnainbagh2001@gmail.com

संपादकीय

कड़े कानून नहीं, सोच बदलने से थमेगी यौन हिंसा

कोलकाता के एक अस्पताल में हुए जघन्य कांड की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है। पश्चिम बंगाल की पुलिस को अक्षम ठहराकर मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। उधर देशभर के डॉक्टरों का विरोध-प्रदर्शन जारी है। वे सुरक्षा की गारंटी मांग रहे हैं। इस मांग के औचित्य पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए, लेकिन जिस तरह सारे मामले को राजनीति का हथियार बनाया जा रहा है उसे देखते हुए न्याय की मांग करने वालों के इरादे पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। निस्संदेह मामला बहुत गंभीर है और बलात्कार का यह मुद्दा कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की अक्षमता को भी उजागर करने वाला है। उम्मीद ही की जा सकती है कि अपराधी शीघ्र ही पकड़े जाएंगे और मरीजों को अस्पतालों में समुचित चिकित्सा मिलेगी, डॉक्टर को बिना डरे अपना काम करने का माहौल मिलेगा। मरीजों और डॉक्टरों के प्रति हमारी व्यवस्था को कम से कम इतना तो करना ही चाहिए। इस मामले में न्याय मांगने वाले अपराधी या अपराधियों को कड़े से कड़ा दंड, फांसी, दिये जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से अपराधी को ऐसा दंड मिलना ही चाहिए जो शेष समाज को यह चेतावनी देने वाला हो कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसी नृशंसता को स्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन यहां इस बात को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि कड़ी से कड़ी सजा का एक परिणाम यह भी निकल रहा है कि अपराधी सबूत को मिटाने के चक्कर में बलात्कार के बाद हत्या का मार्ग अपना रहे हैं। दिल्ली की 'निर्भया' से लेकर कोलकाता की 'निर्भया' तक की यह श्रृंखला यही बता रही है कि मनुष्यता के खिलाफ किए जाने वाले इस अपराध बलात्कार के दोषी सिर्फ कड़े कानूनों से नहीं डर रहे हैं। जिस दिन कोलकाता के एक अस्पताल में यह जघन्य कांड हुआ, उसके बाद उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे देश के अन्य हिस्सों में भी बलात्कार-हत्या की घटनाएं सामने आने लगीं। यह स्थिति निश्चित रूप से भयावह है। स्पष्ट दिख रहा है कि अपराधियों को कानून-व्यवस्था का डर नहीं रहा, कहीं न कहीं उन्हें लग रहा है कि कानून उनकी मनमानी को रोकने में सक्षम नहीं है। स्थिति की गंभीरता और भयावहता को कुछ आंकड़े उजागर कर सकते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की गणना के अनुसार हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में बलात्कार चौथा सबसे गंभीर अपराध है। प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में देश में बलात्कार के 31,677 मामले दर्ज हुए थे, अर्थात रोज 86 मामले यानी हर घंटे चार। ज्ञातव्य है कि इसके पहले के दो वर्षों में यह संख्या कम थी। सन् 2020 में 28,046 मामले और सन 2019 में 32,033 मामले। यह आंकड़े तो उन अपराधों के हैं, जो थानों में दर्ज हुए। हकीकत यह है कि आज हमारे देश में कम से कम इतने ही मामले थानों में दर्ज नहीं होते! यह मानकर कि अपराधियों को सजा नहीं मिलेगी, पीड़ित पक्ष 'पुलिस के चक्कर' में पड़ते ही नहीं। साथ ही बलात्कार की शिकार महिलाएं और उनके परिवार वाले समाज के 'डर' से भी पुलिस के पास जाने में हिचकिचाते हैं। बलात्कार स्त्री पर किया गया जघन्य अपराध है, लेकिन हमारे यहां बलात्कार की शिकार महिलाओं को ही संदेह और नीची दृष्टि से देखा जाता है! -सम्पादक

पंडित ललित मोहन शर्मा विश्वविद्यालय परिसर में हुआ गृह विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

देहरादून, ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर के गृह विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वाणिज्य संकाय के संकाय अध्यक्ष प्रा0 कंचनलता सिन्हां तथा विशिट अथिति प्रो0 प्रशांत कुमार, उप्त रहे। इसके साथ ही अतिथि संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 पूनम पाठक, अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 पुष्पांजलि आर्य, संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सिखा ममगाई, अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 हेमन्त शुक्ला, भूगोल की वरिष्ट प्राध्यापिका प्रो अरुणा सुत्रधार मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के संयोजक तथा गृहविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 पारुल मिश्रा तथा सह संयोजक डॉ वन्दना भण्डारी रही। कार्यक्रम में बी ए गृह विज्ञान में समस्त विद्यार्थी शामिल थे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती प्रतिमा में माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुआ। गृह विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष ने सभी अतिथितियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि प्रो प्रशांत कुमार सर ने अपने उद्बोधन भाषण में विजेता प्रतिभागियों को शुभकामना एवं बधाई दी तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में जीतना बड़ी बात नहीं है अपितु प्रतिभाग करना उससे भी बड़ी बात है। वाणिज्य संकाय के डीन प्रो0 कंचन लता सिन्हा मैडम ने सोशल मीडिया के माध्यम से कैसे छोटे से एंटरप्राइज को विकसित कर सकते के बारे में बताया तथा सभी अतिथियो ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। पुरस्कार वितरण समारोह में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कुलवंत कौर, द्वितीय स्थान पर अंजली तथा तृतीय स्थान पर दीपिका धीमान विजेता रहे। मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शिवानी, द्वितीय स्थान पर आंचल तथा तृतीय स्थान पर दीपिका विजेता रहे। राखी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कमलेश, द्वितीय स्थान पर मनीषा तथा मानसी विजेता रही। वेस्ट मैटेरियल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दीपिका, द्वितीय स्थान पर आंचल तथा तृतीय स्थान पर शांति गुन्जा विजेता रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में लैब असिस्टेंट श्रीमती आशा रावत एवन एमटीएस श्रीमती पूनम का भी योगदान रहा।

विश्वविद्यालय परिसर में संस्कृत सप्ताह समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह हुआ सम्पन्न

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

पण्डित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश, श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत परिषद् के तत्त्वावधान में आज संस्कृत सप्ताह समापन समारोह एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिसर निदेशक प्रो. एम.एस. रावत और विशिष्ट अतिथि कला संकायाध्यक्ष प्रो. डी.सी. गोस्वामी थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं वाग्देवी सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख पुष्प अर्पण एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। अंशिका एवं सुषमा के द्वारा सुन्दर सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गई। संस्कृत परिषद् के पदाधिकारियों द्वारा समस्त गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्कृत विभाग के शोध-छात्र उद्धव भट्ट ने संस्कृत दिवस एवं संस्कृत सप्ताह के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत भाषा के माहात्म्य को रेखांकित किया। एम०ए० तृतीय सेमेस्टर के छात्र आयुष ने देववाणी संस्कृत के वैभव पर प्रकाश डाला एवं संस्कृत भाषा में सुंदर ध्येय मंत्र प्रस्तुत किया। रोहित आर्य एवं वंदना ने भी सुंदर गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया परिषद् की उपाध्यक्ष गुंजन के द्वारा परिषद् के वर्ष भर के क्रिया कलापों पर आधारित वार्षिक आख्या प्रस्तुत की गई।

इसके पश्चात पारितोषिक वितरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें 'संस्कृत दिवस का महत्त्व' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में वंदना को प्रथम, मानसी को द्वितीय एवं अंजलि भट्ट को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। 'भारतीय ज्ञान परंपरा मूल्यपरक शिक्षा का आधार है' विषय पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में आयुषी प्रथम, गुंजन एवं फूलमती द्वितीय, लताशा तथा निकिता तृतीय स्थान पर रहीं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में गुंजन प्रथम, निकिता द्वितीय एवं आनुषी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्लोक वाचन प्रतियोगिता में आयुष प्रथम, लताशा द्वितीय एवं विपिन तृतीय स्थान पर रहे। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट ने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। मुख्य अतिथि परिसर निदेशक प्रो० एम०एस० रावत ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करने तथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया।

विशिष्ट अतिथि प्रो० डी०सी० गोस्वामी ने विद्यार्थियों से संस्कृत में संभाषण करने एवं उसे जन-जन की भाषा बनाने का आह्वान किया। अन्य गणमान्य अतिथियों में वाणिज्य संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो० कंचन लता सिन्हा एवं भूगोल विभाग की प्रो० अरुणा सुत्रधार, प्रो० अंजनी कुमार दूबे, शिक्षा शास्त्र विभाग के डॉ० अटल बिहारी त्रिपाठी, समाज शास्त्र विभाग से सुवर्णा नौटियाल एवं डॉ० केदार सिंह बिष्ट ने भी अपने वक्तव्य के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रो० हेमलता मिश्रा, प्रो० अधीर कुमार एवं प्रो० डी०के०पी० चौधरी ने विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र बताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। बेतालघाट महाविद्यालय नैनीताल के प्राचार्य के आशीर्वचनों का सौभाग्य भी विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत परिषद् की संयोजिका एवं विभागाध्यक्षा संस्कृत प्रो० पूनम पाठक द्वारा किया गया। परिषद् के पदाधिकारियों द्वारा शान्ति पाठ के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि के मंगल हेतु कामना की गई।

महाविद्यालय कोटद्वार में वर्चुअल लैब पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

कोटद्वार। डॉ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में वर्चुअल लैब पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आईआईटी दिल्ली के सीनियर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर श्री चंदन कुमार एवं श्री चिराग डे रिसोर्स पर्सन के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात रिसोर्स पर्सनस, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी.एस. नेगी, जवहरी खाल महाविद्यालय से आए डॉ. डी.एस. चौहान एवं मंच पर उपस्थित सीनियर प्रोफेसर्स का बैज अलंकरण कर स्वागत किया गया। डॉ. सुरेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग ने दोनों रिसोर्स पर्सन का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रोफेसर आदेश कुमार, नोडल अधिकारी वर्चुअल लैब, डा पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के द्वारा वर्चुअल लैब के विषय में संक्षिप्त जानकारी छात्रों को दी गई। इसके पश्चात वर्चुअल लैब के विषय में दोनों रिसोर्स पर्सन्स के द्वारा विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। जिसमें कि उनके द्वारा अलग-अलग विषयों जैसे भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं अन्य प्रयोगात्मक विषयों पर विभिन्न स्लाइड्स एवं एनिमेशन के माध्यम से प्रैक्टिकल संपादित करने की प्रक्रिया को छात्र-छात्राओं को सिखाया गया। वर्तमान समय में वर्चुअल लैब की आवश्यकता, उसके प्रभाव तथा उसके गुणदोषों भी पर भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उपरोक्त कार्यशाला में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। रिसोर्स पर्सन्स के व्याख्यान के पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं को वर्चुअल लैब के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए वर्चुअल लैब का कॉन्सेप्ट बहुत अधिक प्रासंगिक हो गया है। उत्तराखंड के अति दुर्गम महाविद्यालय जहां प्रयोगशालाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है वहां यह प्लेटफॉर्म छात्र-छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी हो सकता है। कार्यशाला के अंत में प्रो. मुरलीधर कुशवाहा, विभाग प्रभारी वनस्पति विज्ञान के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यशाला में मंच संचालन का कार्य प्रोफेसर राखी डिमरी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरी खाल, राजकीय महाविद्यालय रिखणी खाल, राजकीय महाविद्यालय सतपुली एवं राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग के प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन प्रतिभाग किया। उपरोक्त कार्यशाला में डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. नंदी गडिया, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. सुनीता नेगी, डॉ. संजय मदान, डॉ. विनोद सिंह, डॉ सुरभि मिश्रा, डॉ. चंद्रप्रभा भारती, डॉ. जितेंद्र दिवाकर, डॉ. मुकेश रावत, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. स्मिता तिवारी, डॉ. श्वेता कुकरेती, डॉ. नेहा कुकरेती, डॉ. सूर्य मोहन, डॉ. धर्मेंद्र कुमार आदि प्राध्यापक एवं महाविद्यालय के 167 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालय थलीसैंण में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

पौड़ी गढ़वाल, थलीसैंण। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ रेनू रानी बंसल के द्वारा की गयी। कार्यक्रम के नोडल डॉ० नीरज असवाल ने छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता विकास कार्यक्रम के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। वर्तमान में घटते रोजगार के अवसरों के दृष्टिगत स्वरोजगार व उद्यमिता एक अच्छा विकल्प है। कार्यक्रम की सहसंयोजक डॉ० छाया सिंह ने इस योजना के लिए पंजीकरण और बूट कैम्प तथा ईडीपी के विषय में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ रेनू रानी बंसल ने अपने संबोधन में बताया कि उद्यमिता वर्तमान युग में समाज और देश को मजबूत बनाने तथा आगे बढ़ाने का एक सशक्त उपक्रम हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ विवके रावत के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सभी प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में आयोजित हुआ फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

टिहरी गढ़वाल, नैनबाग। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में आईक्यूएसी द्वारा फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसके रिसोर्स पर्सन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव थीं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आईक्यूएसी समन्वयक श्री परमानन्द चौहान ने बताया कि यह फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम करियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस), एपीआई, एसीआर एवं शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के गतिविधि प्रतिवर्ष प्रत्येक शिक्षकों द्वारा पूरित की जाती हैं परंतु पूर्ण जानकारी के अभाव में गलती की संभावना भी रहती है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को इस संबंध में पूरी जानकारी होना आवश्यक है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने रिसोर्स पर्सन के रूप में उक्त विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करियर एडवांसमेंट स्कीम जो शिक्षकों के प्रमोशन हेतु आवश्यक रूप से शिक्षक द्वारा भरना होता है, में अनेक बिंदु होते हैं जिनके अंक निर्धारित होते हैं। रिसोर्स पर्सन ने बताया कि हम किस प्रकार से कैस फार्म के अंतर्गत दिए गए विभिन्न बिंदुओं के संबंध में मानक पूरा करते हुए अधिकतम अंक अर्जित कर सकते हैं तथा प्रमोशन पा सकते हैं। प्रमोशन में एसीआर जो प्रतिवर्ष शिक्षक एवं प्राचार्य के द्वारा भरा जाता है अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एसीआर भरते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे कि हमें उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त हो सके तथा प्रमोशन में आसानी हो, रिसोर्स पर्सन द्वारा विस्तार से बताया गया।

महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट प्रतिवर्ष कराया जाता है एवं यह नैक प्रत्यायन में भी आवश्यक होता है। रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर सुमीता श्रीवास्तव ने इसके संबंध में बताया कि प्रत्येक महाविद्यालय को प्रतिवर्ष 31 मई से पहले पूर्ण करना जरूरी होता है। जिसमें महाविद्यालय में होने वाले समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का ऑडिट किया जाता है। रिसोर्स पर्सन ने बताया कि संस्था में अनेक प्रोग्राम कराए जाते हैं किंतु उनका उचित अभिलेख समय पर उपलब्ध नहीं होता है इसके लिए रिपोर्ट तैयार कर उसे भविष्य के लिए सुरक्षित किया जा सकता है जो नैक प्रत्यायन में भी महत्वपूर्ण अभिलेख का कार्य करता है। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मंजु कोगियाल ने रिसोर्स पर्सन एवं उपस्थित सभी शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 ब्रीश कुमार, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 संदीप कुमार, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 दिनेश चंद्र, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मधु बाला जुवांठा, अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 चतर सिंह एवं इसके अतिरिक्त श्री अनिल सिंह उपस्थित रहे।

पी जी कालेज कर्णप्रयाग में मनाया गया प्रथम राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

चमोली, कर्णप्रयाग। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग चमोली मे एनसीसी के छात्र एंव छात्राओं ने अन्तरिक्ष दिवस पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की।

प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) वी एन खाली ने एन सी सी के छात्र एवं छात्राओं को सम्बोधित करते बताया कि भारत ने अन्तरिक्ष मे शिव शक्ति बिन्दु पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग की और चन्द्र की सतह पर प्रज्ञान रोवर को तैनात किया। डॉ. एम. एल. शर्मा ने एनसीसी के छात्र एवं छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि कैसे चन्द्रयान-2 की असफलता के बाद पड़ोसी देशों ने भारत का मजाक उड़ाया फिर भी भारत ने हिम्मत न हारते हुए चन्द्रयान-3 लांच किया। डॉ. नरेंद्र पंवाल ने भारत की आज तक प्राप्त अन्तरिक्ष की उपलब्धियों पर विस्तार से बताया। उन्होने बताया कि मंगलयान, मिशन शक्ति आदित्य मिशन एव दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एंव एनसीसी के समस्त छात्र एवं छात्रायें उपस्थित थे।

समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेखो, विचारों व समाचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसके लिए लेखक ही स्वयं उत्तरदायी होगा। समाचार पत्र से संबंधित सभी विवादों का निपटारा केवल मेरठ न्यायालय में मान्य होगा।-सम्पादक

मालिक मुद्रक व प्रकाशक तब्बसुम कुरैशी ने विनोद गोस्वामी प्रिंटिंग प्रेस 44, हनुमानपुरी, सूरज कुण्ड रोड, मेरठ 250002 से छपवाकर, कार्यालय 63, खिशतफ्जान, नियर-बनिया पाड़ा, पुलिस चौकी मेरठ से प्रकाशित किया।
सम्पादक-तब्बसुम कुरैशी, मो.-9368347421, मेल :- bulandvani@gmail.com आरएनआई नं. UPHIN/2016/71045

जन जन की आवाज

Home > 2024 > August > राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में आयोजित हुआ फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में आयोजित हुआ फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

23 August 2024

उत्तराखंड, विविध न्यूज़, शिक्षा जगत

टिहरी गढ़वाल 23 अगस्त 2024। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में आईक्यूएसी द्वारा फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया, जिसके रिसोर्स पर्सन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव थीं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आईक्यूएसी समन्वयक श्री परमानन्द चौहान ने बताया कि यह फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम करियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस), एपीआई, एसीआर एवं शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के गतिविधि प्रतिवर्ष प्रत्येक शिक्षकों द्वारा पूरित की जाती हैं परंतु पूर्ण जानकारी के अभाव में गलती की संभावना भी रहती है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को इस संबंध में पूरी जानकारी होना आवश्यक है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने रिसोर्स पर्सन के रूप में उक्त विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करियर एडवांसमेंट स्कीम जो शिक्षकों के प्रमोशन हेतु आवश्यक रूप से शिक्षक द्वारा भरना होता है, में अनेक बिंदु होते हैं जिनके अंक निर्धारित होते हैं। रिसोर्स पर्सन ने बताया कि हम किस प्रकार से कैस फार्म के अंतर्गत दिए गए विभिन्न बिंदुओं के संबंध में मानक पूरा करते हुए अधिकतम अंक अर्जित कर सकते हैं तथा प्रमोशन पा सकते हैं। प्रमोशन में एसीआर जो प्रतिवर्ष शिक्षक एवं प्राचार्य के द्वारा भरा जाता है अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एसीआर भरते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे कि हमें उत्कृष्ट ग्रेड प्राप्त हो सके तथा प्रमोशन में आसानी हो, रिसोर्स पर्सन ने विस्तार से बताया गया। महाविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ऑडिट प्रतिवर्ष कराया जाता है एवं यह नैक प्रत्यायन में भी आवश्यक होता है। रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर सुमीता श्रीवास्तव ने इसके संबंध में बताया कि प्रत्येक महाविद्यालय को प्रतिवर्ष 31 मई से पहले पूर्ण करना जरूरी होता है। जिसमें महाविद्यालय में होने वाले समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का ऑडिट किया जाता है। रिसोर्स पर्सन ने बताया कि संस्था में अनेक प्रोग्राम कराए जाते हैं किंतु उनका उचित अभिलेख समय पर उपलब्ध नहीं होता है इसके लिए रिपोर्ट तैयार कर उसे भविष्य के लिए सुरक्षित किया जा सकता है जो नैक प्रत्यायन में भी महत्वपूर्ण अभिलेख का कार्य करता है।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मंजू कोगियाल ने रिसोर्स पर्सन एवं उपस्थित सभी शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 ब्रीश कुमार, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ0 संदीप कुमार, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 दिनेश चंद्र, राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 मधु बाला जुवाँठा, अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 चतर सिंह एवं इसके अतिरिक्त श्री अनिल सिंह उपस्थित रहे।

Please click to share News

Higher-Education

Faculty Development Program (FDP) on CAS, API, ACR & AAA

DATE 23-08-2024 PAGE

S.N.	Name	Department	Mobile No.	Sign
01.	DR. MANJU KOGIYAL	Hindi	8979763266	
02.	DR. BRISH KUMAR	Geography	9411511129	
03.	MR. SANDEEP KUMAR	SOCIOLOGY	9457130649	
04.	DR. DINESH CHANDER	History	9639397085	
05	MR. CHATTAR SINGH	ENGLISH	9012659368	
06	DR Madhu Juwantha	Political Science	7895506080	
07.	Parmanand Chauhan	Economics	9410979624	

Coordinator
IQAC/NAAC
Parmanand Chauhan
Mobile No: 9410979624

Sumita

Prof. Sumita Srivastava
Principal
Government Degree College, Nainbagh
Tehri Garhwal